कक्षा 12 राजनीति विज्ञान

ANSWER SET–8

✦ खंड – क : बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर

1. (ख) वैचारिक संघर्ष
2. (घ) चर्चिल
3. (क) NAM का औपचारिक आरंभ
4. (ख) समान विनाश की आशंका
5. (ग) आपातकालीन प्रावधान
6. (ग) शिक्षा
7. (घ) जिला पंचायत
8. (ग) लोकसभा के प्रति
9. (ग) सदन का अध्यक्ष
10. (ग) 1989
11. (ख) संघवाद का सुदृढ़ीकरण
12. (ग) महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर
13. (ग) राष्ट्रीय हितों पर
14. (ग) न्यायिक व गैर-न्यायिक सदस्य
15. (क) कार्यकाल की सुरक्षा से
16. (क) 42वें संशोधन से
17. (ख) शासन को दिशा देना
18. (ग) एक मत देता है
19. (ग) जनता
20. (ग) एशिया-प्रशांत में सक्रियता

✦ खंड – ख : अति लघु उत्तरीय प्रश्न

21. शीत युद्ध का अर्थ

अमेरिका और सोवियत संघ के बीच वैचारिक एवं राजनीतिक तनाव।

22. गुटनिरपेक्ष आंदोलन का एक संस्थापक देश

भारत।

23. परमाणु संतुलन से क्या तात्पर्य है?

दोनों पक्षों की समान परमाणु शक्ति जिससे युद्ध टले।

24. समवर्ती सूची का एक उदाहरण

शिक्षा।

25. आपातकालीन प्रावधानों का एक उद्देश्य

राष्ट्रीय सुरक्षा बनाए रखना।

26. संसदीय शासन प्रणाली की एक विशेषता

कार्यपालिका संसद के प्रति उत्तरदायी।

27. दल-बदल विरोधी कानून क्यों लाया गया?

राजनीतिक स्थिरता बनाए रखने के लिए।

28. क्षेत्रीय दल का एक उदाहरण

द्रमुक (DMK)।

29. UNSC का एक प्रमुख कार्य

अंतरराष्ट्रीय शांति बनाए रखना।

30. रणनीतिक साझेदारी का अर्थ

राष्ट्रीय हितों के आधार पर सहयोग।

✦ खंड – ग : लघु उत्तरीय प्रश्न (I)

31. शीत युद्ध के दो वैचारिक प्रभाव

1. पूंजीवाद और साम्यवाद का प्रसार।

2. विश्व का दो गुटों में विभाजन।

32. गुटनिरपेक्ष आंदोलन की दो प्रमुख सीमाएँ

1. संगठनात्मक कमजोरी।
2. सदस्य देशों के मतभेद।

33. भारतीय संघवाद में केंद्र की भूमिका

अवशिष्ट शक्तियाँ केंद्र के पास हैं। आपातकालीन प्रावधान केंद्र को सशक्त बनाते हैं।

34. गठबंधन सरकारों के गठन के दो कारण

1. किसी एक दल को पूर्ण बहुमत न मिलना।
2. क्षेत्रीय दलों का उदय।

35. क्षेत्रीय दलों का राष्ट्रीय राजनीति पर प्रभाव

संघीय ढांचे को मजबूत करना और क्षेत्रीय मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाना।

36. संयुक्त राष्ट्र महासभा की शक्तियाँ

अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा, बजट पारित करना, महासचिव का चयन।

✦ खंड – घ : लघु उत्तरीय प्रश्न (II)

37. शीत युद्ध के दौरान अंतरराष्ट्रीय संबंधों की प्रकृति

विश्व दो गुटों में विभाजित रहा। शक्ति संतुलन और कूटनीति प्रमुख साधन बने। प्रत्यक्ष युद्ध टला पर क्षेत्रीय संघर्ष बढ़े।

38. भारतीय संघवाद में समवर्ती सूची का महत्व

यह केंद्र और राज्य दोनों को कानून बनाने का अधिकार देती है, जिससे सहयोग और समन्वय बढ़ता है।

39. गठबंधन राजनीति के भारतीय लोकतंत्र पर प्रभाव

सकारात्मक – समावेशिता और प्रतिनिधित्व।
नकारात्मक – अस्थिरता और नीति-निर्माण में कठिनाई।

40. संयुक्त राष्ट्र संघ की संरचना एवं कार्य

मुख्य अंग – महासभा, सुरक्षा परिषद, आर्थिक एवं सामाजिक परिषद आदि। विश्व शांति और विकास के लिए कार्य करता है।

✦ खंड – ङ : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

41. गुटनिरपेक्ष आंदोलन की उत्पत्ति, उद्देश्य और बदलती प्रासंगिकता

गुटनिरपेक्ष आंदोलन शीत युद्ध के दौरान नवस्वतंत्र देशों द्वारा शुरू किया गया। 1961 के बेलग्रेड सम्मेलन में इसका औपचारिक आरंभ हुआ।

उद्देश्य – स्वतंत्र विदेश नीति, उपनिवेशवाद का विरोध, विश्व शांति।

आज इसकी भूमिका विकासशील देशों के सहयोग और बहुपक्षीयता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण है, यद्यपि संगठनात्मक चुनौतियाँ बनी हुई हैं।

42. भारतीय संविधान में संघवाद की प्रकृति (आलोचनात्मक अध्ययन)

भारत का संघवाद मिश्रित प्रकृति का है। केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन है, परंतु आपातकालीन प्रावधान केंद्र को सशक्त बनाते हैं।

सकारात्मक – राष्ट्रीय एकता और विविधता का संतुलन।
नकारात्मक – केंद्र की प्रधानता से राज्यों की स्वायत्तता सीमित हो सकती है।

निष्कर्षतः, भारतीय संघवाद लचीला और व्यावहारिक है।